बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् के 16वीं बैठक की कार्यवाही

पर्षद् की 16वीं बैठक दिनांक 29.07.2026 को सम्पन्न हुई।

उपस्थितिः–

सभी पदेन सदस्य उपस्थित– यथा पंजी।

कार्यवाहीः–

उपस्थित सदस्यों के स्वागत के उपरान्त कार्यावली बिन्दुओं पर सचिव, बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् द्वारा प्रस्तुति दी गयी एवं पर्षद् द्वारा इन पर निम्नवत् विचारण किया गयाः–

कार्यावली संख्या	विषय–वस्तु एवं कार्यवाही का अभिलेखन
1–	**पर्षद् के 15वीं बैठक के कार्यवाही की सम्पुष्टि।**
16.1 कार्यवाही की सम्पुष्टि	पर्षद् के 15वीं बैठक की कार्यवाही सम्पुष्ट की गयी।
2–	**संचालित कार्यों की समीक्षा**
16.2 संचालित कार्यों की समीक्षा	वर्ष 2026–27 में संचालित कार्यों से संबंधित अद्यतन प्रगति पर प्रस्तुतिकरण दी गई। इस क्रम में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2026 के अवसर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत कराया गया। जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के प्रशिक्षण, जैव विविधता विरासत स्थल एवं विरासत वृक्ष कार्यक्रम की प्रगति के साथ बिहार राज्य जैव विविधता रणनीति एवं कार्य–योजना तैयार करने हेतु विभिन्न विषय क्षेत्रों से संबंधित परामर्श प्रक्रिया पूरी करने की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त शहरी जैव विविधता के अध्ययन एवं सर्वेक्षण में अबतक की प्रगति को रेखांकित किया गया। कैमूर पठारी के 07 शैलीय स्थलों की कराये गये जैव विविधता अध्ययन एवं उस पर आधारित जैव विविधता संरक्षण के उपाय संबंधित अन्तरिम प्रतिवेदन सरकार को भेजे जाने की जानकारी दी गयी।

	समीक्षा के क्रम में जैव विविधता प्रबन्ध समितियों का बिहार ग्रामीण बैंक की स्थानीय शाखाओं में खाता खोलने की प्रगति तथा प्रचार–प्रसार हेतु किये गये कार्यों पर ध्यान आकृष्ट किया गया।
3– 16.3	**जैव विविधता संरक्षण पुरस्कार कार्यक्रम संचालित करने का प्रस्ताव** जैव विविधता संरक्षण/संवर्धन को प्रधान लक्ष्य में रखकर हेतु किये गये प्रयासों/उपलब्धियों के लिए पर्षद् द्वारा छः कैटेगोरी में पुरस्कार कार्यक्रम संचालित किये जाने के का प्रस्ताव रखा गया तथा इसके औचित्य पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की रूप–रेखा पर चर्चा करते अध्यक्ष द्वारा उल्लेख किया गया कि इस संबंध में कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय से कुछ महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं, कृषि निदेशालय तथा डेयरी, पशु एवं मत्स्य संसाधन तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से मंतव्य प्रतीक्षित है। **निर्णय/अनुशंसा :–** **बिहार राज्य जैव विविधता पुरस्कार कार्यक्रम संचालित करने के प्रस्ताव को इस निदेश के साथ अनुमोदित किया गया कि उद्यान निदेशालय से प्राप्त सुझाव एवं अन्य दो निदेशालयों तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग से प्राप्त होने वाले सुझाव के आलोक में पुरस्कार कार्यक्रम की प्रक्रिया इत्यादि को परिष्कृत कर इसका संचालन शीघ्र प्रारम्भ किया जाय।**
4– 16.4	**शोध परियोजनाओं की समीक्षा एवं नये शोध प्रस्तावों का अनुमोदन** (क) सर्वप्रथम वर्ष 2024–25 तथा 2025–26 में स्वीकृत क्रमशः 8 एवं 5 परियोजनाओं के संबंध में जानकारी दी गयी तथा इसके लिए कर्णांकित शोध अनुदान एवं उसके विरूद्व शोध संस्थाओं को विमुक्त की गई राशि से अवगत कराया गया। अध्यक्ष द्वारा उल्लेख किया गया कि इन शोध कार्यो में अद्यतन हुई भौतिक कार्य प्रगति एवं उनके फलाफल की समीक्षा कर पर्षद् की आगामी बैठक में प्रस्तुत की जाय। (ख) पर्षद् की 15वीं बैठक में सैद्धान्तिक सहमति प्रदत्त 8 शोध प्रस्तावों पर पर्षद् में गठित शोध समीक्षा एवं अनुश्रवण समिति की दिनांक– 17.07.2026 को सम्पन्न बैठक की अनुशंसाओं से अवगत कराया गया। इस क्रम में 7 शोध प्रस्तावों को

	राज्य की जैव विविधता संरक्षण हेतु समिति द्वारा महत्वपूर्ण माना जबकि डेयरी विषेयक एक परियोजना के संबंधित विभाग/डेयरी प्रोजेक्ट को अनुशंसित करने का निर्णय किया गया है। शोध हेतु अनुशंसित 7 प्रस्तावों की सूची, जिसमें शोध के विषय, शोध संस्था का नाम, अवधि तथा आवश्यक शोध अनुदान की राशि का उल्लेख है, प्रस्तुत किया गया। ध्यान आकृष्ट किया गया कि शोध कार्य की अवधि 12 माह से 30 माह तक की है, तथा कुल प्राक्कलित अनुदान की राशि 143.484 लाख है। वर्ष 2026–27 में प्रथम किस्त विमुक्त के लिए 55.00 लाख रू० का प्रावधान अपेक्षित होगा। विचारण के क्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख द्वारा इन सातों परियोजनाओं के जैव विविधता के दृष्टिकोण से काफी युक्तिसंगत बताया गया। **निर्णय/अनुशंसा :–** **(i) सूची (अनु०–1) में उल्लिखित 07 शोध परियोजनाओं का 1,43,484 लाख रू० के शोध अनुदान समर्थन राशि के प्राकल्लन के अन्तर्गत सम्पादित कराने की स्वीकृति दी गयी।** **(ii) वित्तीय वर्ष 2026–27 में इन 7 शोध परियोजनाओं के लिए पर्षद् को उपलब्ध सहायक अनुदान से 55 लाख रू० प्रथम किस्त में शोध संस्थानों को उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।**
5– 16.5	**पर्षद् का नया Logo एवं एक Tagline का निर्धारण** प्रस्ताव पर विचारण के क्रम में पर्षद् के नये Logo तथा Tagline की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गयी। वर्तमान लोगो का Thematic Concept तो काफी अच्छा है, परन्तु इसमें desing limitataions के कारण text स्पष्टतः पठनीय नहीं है। छोटे आकार में तो लोगो लगभग अस्पष्ट ही रह जाता है। साथ ही Logo को memento इत्यादि पर लगाने में सीमित विकल्प रहते है। अध्यक्ष का अभिमत था कि इस हेतु प्रतियोगिता कराकर तथा पटना कला महाविद्यालय एवं NIFT जैसी संस्थाओं के सहयोग से यह कार्य कराया जा सकता है। प्रतियोगिता की स्थिति में प्रथम तीन चयनित लोगो बनाने वालो के लिए पुरस्कार की व्यवस्था रहे, साथ ही संस्थाओं के लिए भी प्रशास्ति पत्र एवं मानदेय का प्रावधान हो।

	सहमति बनी कि राज्य के दोनों संस्थानों तथा प्रतियोगिता द्वारा दोनों ही माध्यम से Logo का निर्माण कराया जाना श्रेयष्कर होगा। इस निमित्त उच्च कोटि के Logo के चयन हेतु विशेषज्ञ समिति गठित कर ली जाय। Tagline का निर्धारण प्रतियोगिता के माध्यम से कराये जाने की बात रखी गयी। प्रधान मुख्य वन संरक्षण–सह–वन बल प्रमुख का अभिमत था कि इस कार्रवाई से जैव विविधता विषय का प्रचार–प्रसार भी होगा। अध्यक्ष का यह भी सुझाव था कि Patna Art Collage के प्राचार्य तथा NIFT के निदेशक से वार्त्ता कर logo तथा Tagline के लिए उन संस्थानों के छात्रों के बीच भी प्रतियोगिता करायी जा सकती है। **निर्णय/अनुशंसा :–** **पर्षद् के पुराने Logo के स्थान पर नये Logo का निर्माण तथा Tagline के निर्धारण हेतु कार्रवाई किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।**
6–16.6	**पर्षद् के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए चिकित्सा बीमा योजना का प्रावधान।**
	इस प्रस्ताव पर प्रस्तुति के क्रम में प्रस्ताव के औचित्य पर चर्चा की गयी तथा उल्लेख किया गया कि वर्तमान में पर्षद् में अनुबंध पर कार्यरत् कार्मिकों को किसी प्रकार का चिकित्सीय भत्ता देय नहीं है। अध्यक्ष द्वारा उल्लेख किया गया कि पर्षद् का दायित्व बनता है कि अपने कार्मिकों को राज्य सरकार के कार्मिकों के समतुल्य लाभ के प्रावधान हेतु प्रयास करें तथा इस क्रम में कार्मिकों के लिये कल्याणकारी भावना की आवश्यकता पर बल दिया गया। संज्ञान में यह भी लाया गया कि पर्षद् के कार्मिकों के लिये पद एवं सेवा सृजन के साथ सेवा विनियमन का प्रस्ताव सरकार को समर्पित किया जा चुका है। चर्चा के क्रम में यह तथ्य भी संज्ञान में लाया गया कि महिला एवं बाल विकास निगम में अनुबन्ध कार्मिकों के लिए चिकित्सा बीमा योजना का प्रावधान किया गया है। विमर्श के क्रम में यह माना गया कि निर्णय हेतु प्रस्ताव में बीमा योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय व्यय–भार का आकलन भी होना अपेक्षित है।

	प्रधान मुख्य वन संरक्षण–सह–वन बल प्रमुख ने उल्लेख किया कि कई बैंक भी Salary account खोले जाने पर चिकित्सकीय बीमा सुविधा का प्रावधान करती है। अतएव इस बिन्दु पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निर्णय/अनुशंसा :– **सुझाव दिया गया राज्य के अन्य बोर्ड/निगम से इस विषयक जानकारी प्राप्त की जाय तथा पब्लिक सेक्टर बीमा कम्पनी, एवं पब्लिक सेक्टर बैंक द्वारा प्रायोजित चिकित्सा बीमा स्कीम के संबंध में सम्यक जानकारी एवं प्रस्ताव लेकर वित्तीय आकलन तथा विकल्पों के साथ ठोस प्रस्ताव आगामी बैठक में प्रस्तुत की जाय।**
7– 16.7	**अन्यान्य**
	(क) पर्षद् की पत्रिका का प्रकाशन।
	पर्षद द्वारा एक पत्रिका का नियमित प्रकाशन किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव पर चर्चा की गई। पर्षद के क्रिया–कलापों की जानकारी तथा जैव विविधता विषयक आलेखों से युक्त पत्रिका के प्रकाशन को आवश्यक माना गया। निर्णय/अनुशंसा :– **''जैव विविधता बिहार'' (Biodiversity Bihar) नामक पुस्तिका के प्रकाशन पर सहमति दी गयी।**
	(ख) पर्षद् के Website का Redesigning Upgradation, Annual Maintenance, Security Assessment की प्रक्रिया का क्रियान्वयन।
	इस प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। जानकारी दी गयी कि GEM Portal पर निविदा आमंत्रित कर विधिवत प्रक्रिया के माध्यम से 11,97,700/–रू० (कर सहित) के न्यूनतम अर्पणदाता का कार्य हेतु चयन किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह वन बल प्रमुख की इस जिज्ञासा पर कि कितने अवधि के लिए कार्य आवंटित किया जाा है, अवगत कराया गया कि यह एक वर्ष के लिए है तथा निविदा की शर्त्तों के अनुरूप तीन वर्षों तक विस्तारित किया जा सकता है।

इस ओर ध्यान आकृष्ट किया गया कि निर्धारित समय के पश्चात Date तथा Source Code पूर्ण रूप से maintenance कराने में असुविधा होगी। अवगत कराया गया कि निविदा की शर्त्तों में यह निहित है कि एजेन्सी द्वारा सभी Data एवं Source Code पर्षद को उपलब्ध करा दिया जायगा।

जल संसाधन विभाग के प्रतिनिधि का सुझाव था कि यह प्रावधान कर ली जाय कि कार्य समापन की तिथि से 03 माह पूर्व ही agency पर्षद को Source Code उपलब्ध करा दे ताकि पर्षद के कार्मिक अगले तीन महीने में website के संचालन की बारीकियाँ समझ ले ताकि Website का संचालन निर्वाध रूप से जारी रहे।

निर्णय/अनुशंसा :–

(i) पर्षद् के Website के Redesigning, Upgradation, Security assessment तथा Annual Maintenance का कार्य निविदा के माध्यम से चयनित agency FASTCURVE SERVICES PVT. LTD., Bengaluru से 11,97,700/– रूपये की लागत पर कराये जाने के निर्णय को अनुमोदित किया गया।

(ii) सुझाव दिया गया कार्य समापन की निर्धारित तिथि से अनिवार्यतः 03 माह पूर्व Source Code पर्षद को agency द्वारा हस्तगत कराने की व्यवस्था सुदृढ़ कर ली जाय।

(ग) जैव विविधता कार्यक्रम सहकर्मी तथा समन्वयक की कालबद्ध अस्थायी सेवा हेतु नियोजन सम्बन्धी Online App Development के प्रस्तावित कार्य का स्थगन

विषय–वस्तु के संबंध में पूर्व के निर्णय तथा नियोजन की Online व्यवस्था एवं Web and Mobile App based IT Interface System develop करने हेतु किये गये प्रयासों की जानकारी प्रस्तुत की गयी। बताया गया कि NIC, पटना के सहयोग से IT Service Provider Firms से Technical and Financial Proposal प्राप्त हुए हैं।

जैव विविधता प्रबन्धन समितियों के पूर्ण रूप से क्रियाशील नहीं हो पाने तथा स्थानीय जैव विविधता निधि के संचालन हेतु बैंक खाता नहीं खुल पाने के कारण वर्तमान IT Interface System की बहुत उपयोगिता नहीं रहने का उल्लेख किया गया। साथ ही इस कार्य हेतु न्यूनतम 4 करोड़ से ऊपर के व्यय प्राक्कलन की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया गया।

	विमर्श के क्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–वन बल प्रमुख ने सुझाव दिया कि इस निमित्त Technological alternatives, जो कम लागत पर पर्षद् के प्रयोजनों के लिये उपयुक्त हों, उनके लिये प्रयास जारी रखा जाय। जल संसाधन विभाग के प्रतिनिधि ने विचार व्यक्त किया कि निहित कार्यों का cost analysis कर अति आवश्यक कार्यों के लिए ही इसे निर्मित कराये जाने जैसे विकल्पों पर विचार भी किया जा सकता है। **निर्णय / अनुशंसा :–** **Web and Mobile APP based IT Interface System के development, Installation and operation की कार्रवाई तत्काल स्थगित रखे जाने पर पर्षद् द्वारा संस्तुति दी गई।**

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

ह० / –
(अमित कुमार)
सचिव,
बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्, पटना।

ह० / –
(भारत ज्योति)
अध्यक्ष,
बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्, पटना।

ज्ञापांकः–BDB/282/2026-785 दिनांकः– 06/08/2026

<u>प्रतिलिपिः</u>– पर्षद् के सभी पदेन सदस्य।

1. अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, बिहार, पटना।
2. सचिव, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना।
3. प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार, पटना।
4. प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) बिहार, पटना।
5. सचिव, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार, पटना।

(अमित कुमार)
सचिव,
बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्, पटना

New Project proposals received for collaborative study with BSBB in F/Y: 2026-27

S. N.	Name of Institution/PI	Project Title/ Budget	Study Period/ Study Area
		1. Olericulture (Study and Cultivation of Vegetables)	
1	ICAR- Research Complex for Eastern Region, Patna. *PI: Dr. Shubha Kumari, Scientist (Veg.)*	Harnessing Underutilized Indigenous Vegetables for Agrobiodiversity Conservation, Nutritional Security and Climate Resilience in Bihar. **21.50 lacs**	3 years/ Katihar (North-East), Vaishali (North-Central), Kaimur (South-West).
2	Department of Horticulture, PG College of Agriculture, Dr. Rajendra Prasad Agri. University, Pusa. *PI: Dr. Udit Kumar, Associate Professor & HoD, Dept. of Horticulture*	Evaluation of Diversity of Indigenous and Minor Vegetables of Bihar and Study for its Conservation and Utilization Strategy. **23.50 lacs**	3 Years/ Diverse agro-climatic zones of North and South Bihar, and tribal regions.
		2. Floriculture and Landscaping	
3	Bihar Agriculture College, BAU, Sabour, Bhagalpur. *PI: Dr. Monika Patel, Asst. Professor,*	Collection, Maintenance and Utilization of Floristic Diversity of Bihar. **17.984 lacs**	3 Years/ Diverse agro-climatic zones of Bihar
		3. Ichthyology (Study of Fish)	
S. N.	Name of Institution/PI	Project Title/ Budget	Study Period/ Study Area
4	College of Fisheries, Kishanganj (BASU, Patna). *PI: Dr. Mamta Singh, Asstt. Professor & Head, Dept. of Fish Biotechnology.*	DNA Barcoding and eDNA Surveillance for Fish Fauna of Major Rivers of Bihar: Developing Molecular Reference Library for Biodiversity Conservation. **38.80 lacs**	3 Years/ 3-4 Sampling stations across the length of rivers Ganga, Ghaghara, Gandak, Burhi-Gandak, Kamla Balan and Bagmati in Bihar.

Agriculture/ Horticulture .4			
5	ICAR-IARI, RS- Pusa. *PI: Dr. Tamoghna Saha, Senior Scientist, IARI, Pusa*	Diversity, Identification, Conservation and Documentation of Apis and Non-Apis Bees in Key Agri-Horticultural Crops of the Mithilanchal Region, Bihar. **24.20 lacs**	2 Years/ Mithilanchal Region of Bihar- Darbhanga, Madhubani, Muzaffarpur & Samastipur.
Pharmacology-Horticulture Pharmacology-Hirudinology			
S. N.	Name of Institution/PI	Project Title	Study Period/ Study Area
6	Government Ayurvedic College, Patna/Begusarai. *PI: Dr. Raman Ranjan, Associate Professor.*	Hidden Remedies of Rajgir- A Biodiversity Inventory of Medicinal Plants and Traditional Uses. **10.00 lacs**	12 months/ 4-6 representative forest sites across Rajgir.
7	Government Ayurvedic College, Patna. *PI: Dr. Alok Ranjan, Assistant Professor.*	Distribution of Leeches- effect of Climate Change. **7.50 lacs.**	12 months/ Patna, Vaishali, Muzaffarpur, Darbhanga, Begusarai and Madhbani districts
Total Budget Rs. 143.484 lacs.			